



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... रुक्मिणी अनुसारी.....

दिनांक ९.६.२०२१....पृष्ठ संख्या..... २..... कॉलम..... १८.....

एचएयू : झील के रूप में विकसित होगा तालाब

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा विश्वविद्यालय

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) अपने दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ

जल्द ही दीन

बढ़ावा देगा। इसके लिए

दयाल उपाध्याय

कुलपति प्रो. समर सिंह

जैविक खेती

ने वीरवार को

उत्कृष्टता केंद्र में

विश्वविद्यालय के

तलारी जाएंगी

अधिकाराओं, निदेशकों

संभावनाएं

एवं प्रशासनिक

अधिकारियों के साथ

केंद्र का दौरा कर इसका

जायजा लिया उन्होंने कहा कि छह एकड़ में एक

तालाब बनाया गया है, जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय परिषदों के लिए एक बसरे के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

कुलपति ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय केंद्र की लागत 150 एकड़ भूमि है, जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की सभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पथर साबित होगा।



एचएयू में अग्रणीक फार्म के दौरे के दौरान कुलपति प्रो. समर सिंह को जानकारी देते अधिकारी।

पूरा केंद्र सूखम सिंचाई से है संचालित : केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूखम सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, वहीं किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को आग्रणीक फल और सब्जियों को उगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। निरीक्षण के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एके छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

मैन के साने

दिनांक १५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या ३ कॉलम २५

हक्की करेगा जैविक खेती और एग्रोटूरिज्म कंसेट को एक साथ लागू : कुलपति

● सनाट सिंह ने कहा, जल्द ही दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र ने तालाबी जाएंगी सामग्री

हिसार, ४ अप्रैल (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अनन्त दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रोटूरिज्म कंसेट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार का विश्वविद्यालय के अधिकारीओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारीयों के साथ केंद्र का दैरा कर इसका जायजा लिया।

इस मौके पर उहोने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रोटूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई



पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

व्यवस्था के लिए पानी की उत्तम्यता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उहोने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय परिषदों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न

अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पथर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हारियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लागाए गए।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है

संचालित डॉ. अनिल कुमार यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इसमें एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगा। इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को जाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के तहश्श से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब नेटवर्क
दिनांक १५.०५.२०२१ पृष्ठ संख्या २ कॉलम २५

‘अब जैविक खेती व एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एकसाथ लागू करेगा हकृवि’

हिसार, 8 अप्रैल (पंक्ते): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एकसाथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया।



पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है, जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की सभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी।

इसके अलावा 6 एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है, जो इस केंद्र में सिंचाइ व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि यह तालाब प्रवासी व स्थानीय पाक्षियों के लिए एक बस्तेरे के रूप में काम करेगा।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से संचालित : यादव

इस केंद्र के प्रबोधक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, वहाँ दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में ए.च.ए.यू. में विभिन्न प्रकार के कफ्लों, सब्जियों व अनाजों को बिना रासायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में बढ़ि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सैनिक ज्ञान.....

दिनांक १५.६.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....२-५.....

जैविक खेती व एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट एक साथ लागू करेगी एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बीरबार को विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने

2017 में केंद्र किया गया था स्थापित

किसानों की आर्थिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान आर्थिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ातरी कर सकते हैं। इससे भिट्ठी की गुणवत्ता और उपजाकृपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ातरी होती है व भिट्ठी की संरचना में सुधार होता है।

में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में भी बनाया गया है जो इस केंद्र में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में जैविक खेती के लिए प्रयोग किया जा रहा है। यहां पौधरोपण कर 200

किसानों के पौधे भी लगाए गए हैं।

पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित

इस केंद्र के निदेशक डा. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक और जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को आर्थिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....लोक का मासिक.....

दिनांक ९.५.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....६.....

एचएयू अब जैविक खेती
और एग्रो ट्रॉज़िम कंसेप्ट
को लागू करेगा : प्रो. समर
हिसार | एचएयू अपने दीन दयाल
उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता
केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो
ट्रॉज़िम कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा
देगा। इसके लिए विवि के कुलपति
प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को
विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं,
निदेशकों एवं प्रशासनिक
अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा
किया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र
की लगभग 150 एकड़ भूमि है
जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-
साथ एग्रो ट्रॉज़िम की संभावनाओं
को विकसित करने में बहुत मदद
मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़
में एक तालाब भी बनाय गया है जो
इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए
पानी की उपलब्धता के साथ-साथ
झील के रूप में भी विकसित किया
जा सकता है। इस दौरान केंद्र में
विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए
गए। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल
कमार यादव ने भी जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (दिल्ली)	09.04.2021	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेट को एक साथ लागू करेगा एचएयू

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवर को विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लापता 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि



पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। (छाया : राज पराशर)

इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेगा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी वारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मौल का पथर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	09.04.2021	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रोफेसर समर सिंह

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

जल्द ही दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बोरोवा का विश्वविद्यालय के अधिनायकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब के प्रबासी व अन्य स्थानीय पर्यटकों के लिए एक बस्तर के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी ध्यानीकी से जायजा लिया और कहा कि यह



पांडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर आर्गेनिक कॉर्प का भ्रमण करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मौलि का पर्याप्त साक्षित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाणा को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे सुखम भिंचाई से संचालित हैं। इसके एक और जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहीं दूसरी ओर किसान भी इस तहत की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में

इस समय प्रदेश के किसानों को आर्गेनिक फल और सब्जियों को उपाने के प्रति धैर्य दिया जा रहा है। किसानों को आर्गेनिक खेती के प्रति धैर्य करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। बर्मान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुरूपान किए जा रहे हैं। किसान आर्गेनिक कृषि से उत्पादन में बुद्धि व आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूख मौजों की भी संख्या में भी बढ़ोतारी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है। ये रहे भौजूदहस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिंदुपुरिया, अनुरूपान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिनायक डॉ. ए.के. छावड़ा, स्नातकोत्तर अधिनायक डॉ.विमला डॉडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिनायक डॉ. राजवीर सिंह महित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी गोजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	थदनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	08.04.2021	--	--

एग्री टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करेगा हकृवि

हिसार/08 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्री टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्री टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह तालाब प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए। इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहाँ दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को आर्मनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.04.2021	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रो. समर सिंह



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दोन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा

सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए। इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक ओर जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलता है वहाँ दूसरी ओर किसान भी इस तरह की

सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान ऑर्गेनिक कृषि से उत्पादन में बढ़ि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतरी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है। इस अवसर पर कुलपति के ओ-एसडी डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. ए.के. छावडा, स्नातकोत्तर अधिकारी डॉ. विमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	08.04.2021	--	--

अब जैविक खेती व एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : समर सिंह

जल्द ही दीन द्याल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

हिसार, 8 अप्रैल (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन द्याल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवर को विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की



दीर्घार : पहिले दौरे द्याल उपाध्याय सेंटर कार्यालय का भूमण करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

लागड़ा 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसंत के रूप में काम करेगा और

लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति महोदय ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बत्ते हैं विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी व्यावरणीय और किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएं। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक

फल और सब्जियों को आने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। इस अवसर पर कुलपति

ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धूरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहवात, कृषि महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छावड़ा, स्नातकोत्तर अधिकारा डॉ. बिमला डॉंडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

परा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डॉ. अनिल कुमार यादव : इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि कीवी 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	08.04.2021	--	--

प्रवासी व अन्य पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा छह एकड़ में बना तालाब

हृषि कुलपति प्रो. समर सिंह बोले, अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वीरवर को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा।

कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पलथर इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिंदुपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. कर्मचारी मौजूद रहे।



पूरा केंद्र सूक्ष्म सिंचाई से है संचालित : डॉ. यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि करीब 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूर्ण रूप से सूक्ष्म सिंचाई से संचालित है। इससे एक और जहां पानी संरक्षण को बढ़ावा मिलत है वहां दूसरी ओर किसान भी इस तरह की सिंचाई व्यवस्था को अपने खेत में लागू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में इस समय प्रदेश के किसानों को आर्मोनिक फल और सब्जियों को आगामे के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को आर्मोनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए अनुसंधान किए जा रहे हैं। किसान आर्मोनिक कृषि से उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ खेत में सूक्ष्म जीवों की भी संख्या में भी बढ़ोतारी होती है व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छावड़ा, स्नातकोत्तर दैशन विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए। अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित ये रहे मौजूद। वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य साथियों को भी बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता दी गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	08.04.2021	--	--

जल्द ही दोन दियाल उपाध्याय जैविक खेतों उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएंगी संभावनाएं

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसोट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रौ. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिस्पारा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अनेक दीन दियाल उपाध्याय जैविक खेतों उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसोट को एक साथ बढ़ावा देंगा। इसके लिये विश्वविद्यालय के कूलपाली प्रोफेसर सम्मिलित ने भौतिक और प्रशासनिक अधिकारियों ने दियाल के साथ केंद्र का दौर कर इसके जरूरतों लिया। उठाने का कि इस केंद्र की लापता 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की सम्बन्धित कारों में बहुत महंगे मिलेंगे। इसके अलावा इह एकड़ में एक तलाश भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाय व्यवस्था के लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उठाने कहा कि इस तलाश में प्रबन्धी व अन्य स्थानीय पांचवें के लिए एक बर्सरा के रूप में काम



महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौष्टिकण भी किया गया। इस दीन दियाल विद्यालय प्रकार के 200 घोड़े लगाए गए।

पूरा केंद्र सुझा मिचाई में है। अनिल कुमार यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने बताया कि केवल 150 एकड़ में फैला यह जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूरी रूप से सुझा मिचाई से संचालित है। इससे एक और जांच पानी संरक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा और विकास भी इस तरह की मिचाई व्यवस्था को अपने खुल में लाए कर पायेंगे। उठाने के लिए चल हो विभिन्न पर्यट समिति होगा। इस दीन दियाल केंद्र में अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी वारोली से

करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में गई थी। वर्तमान में पर्यटक, फर्मा, संज्ञायी व अनाजों को बिना स्वास्थ्यक पदार्थों का प्रयोग किया अनुरूपन किए जा रहे हैं। वर्तमान अग्निक जैवि से उत्कृष्टता में वृद्धि व आव में बढ़ावाएं का सकते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उत्पादकता के बढ़ाना जा सकता है। इससे पर्यटिक संरक्षण के साथ-साथ यहाँ में सुझा जीवों की भी संरक्षण में भी बढ़ावाएं होती है। विद्यालय को सुझाव में सुझाव होता है।

यह योजना

इस असार पर कृषीपाल के ओपसडी डॉ. पू.पा. बिद्धुरीया, अनुसंधान निदेशक डॉ. पू.के. समरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिकारियों डॉ. ए.के. छबडा, स्नातकोत्तर अधिकारियों डॉ.विजया दाढ़ा, नीतिक एवं मानवसंसाधनों महाविद्यालय के अधिकारियों डॉ. गवर्नर, सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशकों सहित वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मीटिंग रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.04.2021	--	--

अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ लागू करेगा एचएयू : प्रो. सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अपने दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो टूरिज्म कंसेप्ट को एक साथ बढ़ावा देगा। इसके लिए कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर इसका जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लगभग 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एग्रो टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने में बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा छह एकड़ में एक तालाब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिंचाई व्यवस्था के

लिए पानी की उपलब्धता के साथ-साथ झील के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तालाब में प्रवासी व अन्य स्थानीय पक्षियों के लिए एक बसेरा के रूप में काम करेगा और लोगों को आकर्षित करेगा। कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे विभिन्न अनुसंधानात्मक प्रयोगों का भी बारीकी से जायजा लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान केंद्र में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कुलपति महोदय व अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 200 पौधे लगाए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	08.04.2021	Online	--

**अब जैविक खेती व एग्रो ट्रिप्युरिज्म कंसेट को एक साथ लागू करेगा
एचएयू: कुलपति**

SHARE



जल्द ही दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में तलाशी जाएगी सभावनाएं

दिवारः

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार अनन्द दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र में अब जैविक खेती और एग्रो ट्रिप्युरिज्म कंसेट को एक साथ कटाक दें। इसके लिए विश्वविद्यालय के बुलाहात प्लॉ. समर विहार ने शोधारों का विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ केंद्र का दौरा कर दूकर जायेगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की लागत 150 एकड़ भूमि है जिसमें जैविक खेती केंद्र के साथ-साथ एवं दुरितन की शोधन की ओर विकासित करने में जुड़ा मदद मिलेगा। इसके अलावा इस एकड़ में एक ताताब भी बनाया गया है जो इस केंद्र में सिवाइ व्यवस्थ के लिए पानी की उत्तराधिकारी के राष्ट्रीय संघील के साथ में भी विकासित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस ताताब में प्रयागरी व अन्य राज्यों परिषियों के लिए एक बोरो के रूप में काम कराया और लोगों का भी वारीकी ओर आवासीय केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। कुलपति ने इस केंद्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कांगड़ विधायिक अनुदित्तानाम योगी का भी वारीकी से जाजर लिया और कहा कि यह केंद्र जैविक खेती के क्षेत्र में किसानों के लिए सील का प्राप्त रही जाएगा। हाल हीरान कोंडे में हारियाणा की बढ़ावा देने के लिए कुलपति व अन्य अधिकारियों ने पोषणारोग भै किया गया। इस दीर्घान विभिन्न प्रकार के 200 प्रौद्योगिक लागत दें।

पूरा केंद्र सुकृत विवाह से है संचालित : डॉ. अनिल कुमार यादव

इस केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार यादव ने कहा कि केंद्र 150 एकड़ में फैला पाये जैविक उत्कृष्टता केंद्र पूरी रूप से सुकृत विवाह से संचालित है। इससे एक अधिक लागती पानी से सरकार की बढ़ावा देना चाहिए जो अनेक लोगों के लिए जल की संपत्ति है। इससे एक अधिक लागती की बढ़ावा देना चाहिए जो अनेक लोगों को अपनी जल संपत्ति की जलवायी की बढ़ावा देना है। इसके अलावा इसकी जलवायी की बढ़ावा देना चाहिए जो अनेक लोगों को अपनी जल संपत्ति की बढ़ावा देना है।

किसानों को अधिक लागती के पाले प्रोत्तर करने के दृष्टिपोषण से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। यहाँमाल में एकाधुन में विभिन्न प्रकार के कट्टी, रस्कियाँ व अन्यों को किया राष्ट्रीय पर्याप्ति का प्रयोग किया अनुरूपता किया जा रहा है। किसान अधिकारी कुलपति ने उत्तराधिकारी के रूप में बढ़ावा देना कर रहा है। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और उपकरणों की बढ़ावा जा रहका है। इससे पर्याप्त रासायनिक कार्यक्रम के साथ-साथ लागत में सुधार होना है।

ये रस्ते मैंने

इस अवसर पर कुलपति के ओरुआड़ी डॉ. एमएस शिल्पकुरिय, अनुसाधन निदेशक डॉ. एसके राहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एक छावड़, रातकोतर अधिकारी डॉ. किम्बाल द्वाड़, मोलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर रिंग गहिर विश्वविद्यालय के निदेशक सहित व्याख्यानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी भौजुद हो।